दैनिक भास्कर
उदयपुर, शुक्रवार 8 जनवरी, 2016 3

किसानों को प्रेरित कर बायोफ्यूल का उत्पादन बढ़ाएं: एसपी बसवाला

वृक्ष जनित तेलीय पौधों की उत्पादन प्रौद्योगिकी पर दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

प्रतापगढ़। कलेक्टर सत्यप्रकाश बसवाला ने स्थानीय किसानों को तेलीय पौधों के लाभ से अवगत कराते हुए प्रेरित कर बायो फ्यूल (जैव ईंधन) के उत्पादन को बढ़ावा देने पर जोर दिया। वे गुरुवार को जिला परिषद सभागार में वृक्ष जनित तेलीय पौधों की उत्पादन प्रौद्योगिकी पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करने के बाद कृषि वैज्ञानिकों, अधिकारियों व प्रगतिशील किसानों को संबोधित कर रहे थे।

कलेक्टर बसवाला ने कहा कि बायो फ्यूल के उपयोग से जहां देश के ईंधन आयात खर्च में कमी होगी, वहीं स्वच्छ ईंधन होने से प्रदूषण की समस्या से निजात मिलेगी। इससे लोगों को रोजगार मिलेगा और सदा हरियाली रहेगी। इससे ईंधन के मामले में क्षेत्रीय आत्मनिर्भरता हासिल करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह काम स्थानीय लोगों को साथ लेकर ही किया जा सकता है। इसके लिए व्यापक प्रचार-प्रसार कर इसके फायदों व प्रशिक्षण देकर तकनीक से अवगत कराना होगा। कलेक्टर बसवाला ने कृषि संबंधी रिसर्च के लिए जमीन उपलब्ध कराने की मांग के संबंध में कहा कि वह जमीन मुहैया कराने का पूरा प्रयास करेंगे। विभागीय अधिकारी उचित भूमि चिह्नित कर उन्हें अवगत कराएं। प्रसार शिक्षा निदेशालय उदयपुर के निदेशक डॉ. आईजे माथुर ने बायो फ्यूल के लिए रतनजोत के साथ सीमारूबा का पौधरोपण कराने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि इस सदाहरित पौधे के बीजों में 60 से 70 फीसदी तेल होता है जो ईंधन के साथ खाने योग्य भी होता है। यह तेल कोलेस्ट्रॉल रहित होता है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामावतार मीणा, बायो फ्यूल प्राधिकरण के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनिन्द्र सिंह, डॉ. पीसी चपलोत, डॉ. योगेश कनोजिया, कृषि वैज्ञानिक डॉ. मदनलाल चौधरी व डॉ. बलवीर सिंह बधाला ने किसानों को बायो फ्यूल पौधों के संबंध में उपयोगी जानकारी दी।

प्रतापगढ़. बायोफ्यूल कार्यशाला में उपस्थित किसान।